Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

चुनौती आगे है, भारत के लिए निर्णायक है ये सप्ताह

कोरोना के खिलाफ जंग में तय होगी देश की दशा और दिशा

चुनौती

संवाददाता

देहरादून। भारत में कोरोना के पहले पीड़ित के दो महीने बाद संक्रमित लोगों की संख्या एक हजार पार कर चुकी है। पिछले सप्ताह में एक हजार कोरोना पीड़ितों की संख्या पार करने वाला भारत दुनिया के 20 देशों में शामिल हो चुका है। संक्रमित लोगों की संख्या और संक्रमण दर को लेकर भारत की स्थिति अभी काबू में कही जा सकती है। सरकार भी इसे नियंत्रित सामुदायिक संक्रमण करार दे रही है। चुनौती आगे है। इसके बाद बढ़ने वाले नए मामलों की संख्या यह तय करेगी कि भारत में कोरोना वायरस के प्रकोप की स्थिति कैसी रहने वाली है। इसी से यह भी पता चलेगा कि पूरे देश में एक सप्ताह के लाकडाउन का क्या असर रहा। आइए जानते हैं और समझते हैं कि दुनिया के विभिन्न देशों में 1000वें मामले के बाद संक्रमित मामलों का ग्राफ कैसा रहा? इसी ट्रेंड के आधार पर भारत में इस वायरस के आगामी प्रकोप को समझा जा सकता है।

पिछले सप्ताह जिन देशों ने एक हजार मामलों का आंकड़ा पार किया उनमें रोजाना वृद्धि दर बहुत कम रही रू वृद्धि दर कम रहने के पीछे माना जा सकता है कि कोरोना वायरस के शुरुआती प्रकोप से जूझने वाले देशों से इन देशों ने बहुत कुछ सीखा है। तभी भारत सहित इन देशों में लाकडाउन और शारीरिक दूरी पर तेजी के साथ भरोसा किया। इटली और स्पेन ने तब कड़े कदम उठाए जब वहां पर यह वायरस व्यापक रूप से विस्तार कर चुका था।

भारत की बेहतर और बदतर अनुमानित तस्वीर रू भारत में लाकडाउन कदम के भीतर उसका 1000वां मामला सामने आया। लिहाजा अगले सप्ताह आने वाले नए मामले यह तय करेंगे कि भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदम कितने प्रभावकारी साबित हो रहे हैं। हालांकि इस तस्वीर का एक आयाम यह हो सकता है कि अगर एक हजार मामलों के बाद भारत में संक्रमितों की दर चीन सरीखी रहती है तो भारत में संक्रमितों की संख्या नौ हजार पार कर सकती है। हालांकि इसका दूसरा पहलू यह भी है कि अगर भारत में संक्रमितों की संख्या में जापान का ट्रेंड दिखता है तो भारतीय संक्रमितों की संख्या 2000 के आसपास रह सकती है।

अपनी प्रजाति से अलग है यह वायरस

नोवेल कोरोना वायरस एनफ्लूएंजा के वायरस सरीखा है जिसमें शुरुआती चरण में ही संक्रमण फैलाने की क्षमता होती है। हालांकि यह सार्स या मर्स से अलग होता है जिनका उच्चतम वायरल लोड सात–दस दिन के बाद ही दिखता है।

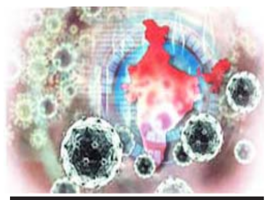

कितना तेज प्रसार

शुरुआती चरण में व्यक्ति में वायरल लोड उच्चतम स्तर पर होता है। इसका सीधा सा मतलब है कि इस कैरियर में गंभीर लक्षण नहीं होते है फिर भी सर्वाधिक वायरस इसके भीतर होते हैं। लिहाजा कम्युनिटी ट्रांसमिशन में ऐसे व्यक्ति सबसे बड़ा खतरा साबित होते हैं।

शुरुआती दशा में सर्वाधिक वायरल लोड

अध्ययन में पाया गया कि मरीज में शुरुआती लक्षण के समय सर्वाधिक वायरल लोड पाया गया। वायरल लोड का आशय किसी संक्रमित व्यक्ति में कुल वायरसों की संख्या है। बाद में इन वायरसों की संख्या कम होने लगती है।

हमेशा रखें एहतियातः रिपोर्ट इस पर लगातार हाथ धोते रहने के साथ ही सेल्फ आइसोलेशन में जाना होगा।

शुरुआती संक्रमण फैलाव का सबसे तेज दौरः हांगकांग के एक अस्पताल में 23 कोविड–19 मरीजों का अध्ययन बताता है कि ये बीमारी मनमाने ढंग से कैसे प्रसार कर सकती है।

न्यूज डायरी

वन महकमे से भी 106 वनकर्मी चेकिंग ड्यूटी पर मुस्तैद

संवाददाता हल्द्वानी। कोरोना से लड़ी जा रही इस जंग में पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और पर्यावरण मित्र जुटे हुए हैं। इनका उत्साह बढ़ाने में लिए कोरोना वॉरियर्स का नाम दिया गया है। बात अगर वन विभाग की करें तो महकमे के 106 लोग भी दिन–रात ड्यूटी पर लगे हैं। फील्ड कार्य में दक्षता की वजह से इन्हें बॉर्डर व अन्य जगहों पर चेकिंग का जिम्मा दिया गया है। संवदेनशील व उत्तर प्रदेश से सटा जिला होने के कारण वनकर्मियों की ड्यूटी उधमसिंह नगर में लगाई गई है। प्रदेश के सभी जिले सील हो चुके हैं। संदिग्ध व सामान्य किसी को एंट्री की अनुमति नहीं है। वेस्टर्न सर्किल के तहत तराई पूर्वी, तराई पश्चिमी, रामनगर, हल्द्वानी और तराई केंद्रीय डिवीजन आती है। सभी डिवीजन से मिलाकर कुल 106 वन रक्षक व वन दारोगा को कोरोना बचाव की ड्यूटी में लिया गया है।

मतलबपुर में क्रिकेट मैच में जुटे युवकों को दौड़ाया

संवाददाता रुड़की। मतलबपुर गांव में क्रिकेट मैच खेल रहे युवकों को पुलिस ने दौड़ाया। किसी ने पुलिस को क्रिकेट मैच मे डेढ़ सौ युवकों के जुटने की सूचना दी थी। हालांकि पुलिस को मौके पर करीब 15 युवक ही मिले थे। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के मतलबपुर गांव की पवन कालोनी में गुरुवार की दोपहर युवकों के क्रिकेट मैच खेलने की सूचना किसी ने गंगनहर कोतवाली पुलिस को फोन पर दी थी। पुलिस को बताया था कि मौके पर करीब डेढ़ सौ युवक मौजूद है। इतनी बड़ी संख्या में युवकों के क्रिकेट मैच में जुटने की सूचना से पुलिस में हड़कंप मच गया। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही क्रिकेट मैच खेल रहे युवकों और वहां पर मौजूद अन्य युवकों में हड़कंप मच गया। पुलिस को देखते हुए युवक वहां से भाग खड़े हुए। इसके बाद पुलिस ने कॉलोनी में जाकर लोगों को लॉकडाउन का पालन करने के लिए हिदायत दी है।

रामनवमी का पर्व धूमधाम से मनाया, कन्याओं का किया पूजन

संवाददाता देहरादून। नवरात्रि के अंतिम दिन रामनवमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर लोगों ने घरों में कन्याओं का पूजन किया गया। इस अवसर पर कन्याओं को उपहार भेंट किए गए। इस अवसर पर सामाजिक दूरी का पूरा ध्यान रखा गया। यहां माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर देहरादून के तत्वावधान में टपकेश्वर कॉलोनी में आयोजित विशेष चैत्र नवरात्रि पूजा अनुष्ठान में विशेष रूप से कन्या पूजन किया गया।

जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध करा रही विभिन्न सामाजिक संस्थाएं

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड में लॉकडाउन के चलते आज विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संस्थाओं के साथ ही साथ सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों व लोनिवि प्रांतीय खंड से जुडे हुए कर्मचारियों ने कोरोना योद्धाओं व जरूरतमंद लोगों को भोजन प्रदान किया। इस अवसर पर सिविल डिफेंस के पोस्ट वार्डन उमेश्वर सिंह रावत ने कहा हे कि राजधानी के अनेकों क्षेत्रों में सिविल डिफेंस के माध्यम से गरीबों, जरूरतमंद लोगों, पुलिस कर्मचारियों व मीडिया से जुड़े हुए कर्मचारियों को जो इस कार्य में लगे हुए हैं उन्हें लगातार भोजन की सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस अभियान को लगातार जारी रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि सिविल डिफैंस का लक्ष्य है कि इस भयावह कोविड 19 कोरोना वायरस में किसी को भी भूखा नहीं रहने दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे लोगों की भी मदद की गई है जिन्हें अपने घर तक जाने के लिए कोई साधन नहीं मिल पाया तो उन्हें घर तक छोड़ने का भी काम किया गया।

नये वार्डो में साफ सफाई सहित अनेक समस्याओं के समाधान की मांग

संवाददाता

■महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने मेयर को सौंपा ज्ञापन

देहरादून। महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने मेयर सुनील उनियाल गामा को एक ज्ञापन सौंपकर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के नये वार्डों की गलियों में साफ सफाई किये जाने सहित अने समस्याओं को गिनाते हुए उनके समाधान की मांग की।

राजपुर रोड कांग्रेस भवन के समीप कांग्रेस महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने मेयर सुनील उनियाल गामा को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही किये जाने की मांग की है। इस अवसर पर ज्ञापन में महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा है कि कोरोना वायरस के दौरान नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा मेयर के निर्देशन में सुचारू रूप से काम किया जा रहा है परन्तु इसके बावजूद भी छिड़काव व सेनिटाइजेशन का कार्य जो चल रहा है उसमें तेजी लाये जाने की आवश्यकता है। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के नये वार्डों की गलियों की साफ सफाई किये जाने की जरूरत है। नगर निगम को इस दिशा में त्वरित गति से ध्यान देने की जरूरत है। इस अवसर पर ज्ञापन में कहा गया है कि नगर निगम के अधिकांश कर्मचारी जो इस आपात स्थिति में कार्य कर रहे हैं उन्हें विशेष रूप से एक माह के वेतन के साथ–साथ एक इन्क्रीमेंट देने व पूर्ण रूप से किट की व्यवस्था की जाये, एक माह का हाउस टैक्स माफ किया जाये और तीन माह का तक हाउस टैक्स जमा करने की छूट लोगों को प्रदान की जाये।

ज्ञापन में कहा गया है कि जो व्यति राशन कार्ड एवं आधार कार्ड से वंचित है विशेषकर जरूरतंद लोगों को राशन वितरण किया जाये और यह व्यवस्था सुचारू रूप से सभी वार्डों में किया जाये, भेदभाव की नीति का पालन न किया जाये, सभी वार्डों में राशन व आवश्यक सामाग्री की सप्लाई ठीक ढंग से की जाये और सभी सफाई कर्मचारियों को प्रोत्साहन राशि व पुरस्कृत किया जाये। इस अवसर पर मेयर सुनील उनियाल गामा ने सभी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

पद्मश्री निर्मल खालसा ने हल्द्वानी को दिया था गुरु ग्रंथ साहिब का संदेश

संवाददाता हल्द्वानी। कोरोना वायरस का शिकार हुए पद्मश्री निर्मल सिंह खालसा वर्ष 2009 में हल्द्वानी आए थे। स्वर्ण मंदिर दरबार साहिब अमृतसर के हजूरी रागी रहे निर्मल खालसा को 2008 में तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम प्रतिभा पाटिल ने पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया था।

शहर के प्रमुख कारोबारी वीरेंद्र सिंह चड्ढा ने बताया कि 5 फरवरी 2009 में निर्मल खालसा हल्द्वानी के खालसा नेशनल बालिका इंटर कॉलेज व श्री गुरु तेगबहादुर स्कूल के प्रांगण में सजे कीर्तन दरबार में शरीक हुए थे। उन्होंने दरबार में मौजूद हजारों की संगत को कीर्तन के माध्यम से गुरु ग्रंथ साहिब का संदेश सुनाया था। तब वह वीरेंद्र चड्ढा की आवाज पर रुके थे। चढबने बताया कि नैनीताल घूमने गए ज्ञानी निर्मल खालसा यहां के नैसर्गिक सुंदरता को देख काफी प्रसन्न हुए थे। उन्होंने विश्व के 30 देशों की यात्रा करते हुए गुरु के संदेश को लाखों लोगों तक पहुंचाना। वह कुछ दिन पहले लंदन से लौटे थे और कोरोना संक्रमित होने की जानकारी लगने के बाद गुरुनानक देव अस्पताल अमृतसर में वेंटिलेटर पर थे।